

स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष लाइटिंग से जगमगाएगा विधानसभा परिसर

शाह टाइम्स संबाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधान सभा परिसर ७९वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर १४ और १५ अगस्त २०२५ को आम जनता के लिए खुला रहगा। दिल्ली के लोग १५ साल पुरुष एवं लड़कियों ने अपने विधानसभा भवन का प्रवर्षण कर सकेंगे और परिसर के अंदर मौजूद महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थलों का देख सकेंगे। समारोह में बैर्डर क्रियारिटी फार्स (बॉम्बे एफ) बैड देशभक्ति से संसारों ध्वनि के लिए खुला रहेगा, वहाँ साहित्य कला परिषद द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। शाम का विधानसभा परिसर विधानसभा परिसर से जगमगाएगा, जिससे माहात्मा और भी उत्सवमय और देशभक्ति से भरा होगा। दिल्ली की विधानसभा परिसर से जगमगाएगा, जिससे सभी लोगों में राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक सद्भाव का संदेश जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विधानसभा परिसर में अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, माननीय उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिठ, मंत्रीगण, विधायकगण तथा अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहेंगे।

विधान सभा में अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, माननीय उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिठ, मंत्रीगण, विधायकगण तथा अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहेंगे। दिल्ली के लाग स्वतंत्रता दिवस समारोह का प्रत्यक्ष अनुभव सकेंगे, ऐतिहासिक भवन की विधान सभा परिसर में देख सकेंगे और इसके वास्तुशिल्प व दिल्ली की लाकर्नाविक व्यवस्था में इसका महत्वपूर्ण भूमिका को बारे में जान पाएंगे।

वीएसएफ बैड की प्रस्तुति देशभक्ति, एकता और गर्व की भावना का जगाएगा। साहित्य कला परिषद के सांस्कृतिक कार्यक्रम भवत कला और सांस्कृतिक धराहर का प्रदर्शन करेंगे, जिससे हमारे राष्ट्र की एकता और अखंडता मजबूत हो सकती।

कूड़े से आजादी अभियान के तहत महापौर ने पौधारोपण किया

शाह टाइम्स संबाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की कूड़े से आजादी अभियान के तहत आज दिल्ली के महापौर संघरशील कल्याण लाल शर्मा शार्क में पौधा लगाया और साफाई भागीदारी की भी अपील की। उन्होंने कहा कि आजादी अभियान से जगती राष्ट्रीय अनिवार्य है। महापौर ने अश्वा (एप्सीओ) के विरच अधिकारी उपस्थित है।

महापौर ने इस अवसर पर दिल्लीवासियों से अधिक से अधिक पेंड लगाने को अपील की। उन्होंने कहा कि हरियाली ने केवल शहर की सुदूर तरफ बढ़ावी है, बल्कि पर्यावरण की भी बेहतर बनाती है। उन्होंने इस बात पर जो दिया कि जब इस तरह को पहल का सामूहिक रूप से अपनाया

जाता है, तो यह प्रदूषण से लड़ने और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वास्थ्य सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान देती है। महापौर ने नारायणों से "दिल्ली की कूड़े से आजादी" अभियान में सांस्कृतिक भागीदारी की भी अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ दिल्ली के लक्ष्य को पाने के लिए सामूहिक भागीदारी अनिवार्य है। महापौर ने अश्वा (एप्सीओ) के विरच अधिकारी उपस्थित है।

यह आजान स्वच्छ और हरी-भरी राजधानी के नियमान्वयन से जारी रखेगा और नागरिकों का दिल्ली का स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का अद्वितीय शहर बनाने के लिए साथ आने के लिए प्रोत्साहित करेगा। महापौर ने बताया कि एमपीडी ने केवल सार्वजनिक स्थलों पर सफाई और हरियाली बढ़ावा पर ध्यान दे रहा है, बल्कि स्कूलों, बाजारों और आवासीय कालोनीयों में भी जन-जागरूकता बढ़ावा पर ध्यान दे रहा है।



दिल्ली की कूड़े से आजादी अभियान के तहत महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह पश्चिम विधान में पौधारोपण करते हुए।

डीटीयू में लगेगी पीएचडी छात्रों की बायोमेट्रिक उपरिक्ति

शाह टाइम्स संबाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की पीएचडी कर्से लगेगी। बायोमेट्रिक उपरिक्ति प्रणाली पर दर्ज होगी। उपरिक्ति परीक्षा होने पर ही छात्रों को फेलोशिप के लिए दावा कर सकेंगे। डीटीयू ने छात्रों को फेलोशिप वितरण के उद्देश्य से बोर्डेस एवं नोटिस जारी किया है।

इसके अनुसार फेलोशिप दावों को बोर्डेस पार्टन पर उपलब्ध किया जाएगा। अवसर पर उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार पूरा किया जाएगा। अतः अपरिक्ति दर्ज नहीं कर जाएगा।

पा रहा है तो वास्तविक कारों को समाचारों विजेता विद्यालय ने स्पष्ट किया है कि छात्रों को वेलेशिप दावों को अनुसार वितरण की विधियों के अनुसार वितरण करेंगे। छात्रों को सुवह आठ बजे से लेकर रात ११ बजे तक की अवधि में बोर्डेस मरीन पर उपरिक्ति दर्ज करनी होगी। इसके लिए प्रतिविद्वन सात कार्य धर्तों की समर्थन वाली रात ११ बजे से आधिकारिक प्रमाणित करेगा।

छात्रों को सुवह आठ बजे से लेकर रात ११ बजे तक की अवधि में बोर्डेस मरीन पर उपरिक्ति दर्ज करनी होगी। इसके लिए प्रतिविद्वन सात कार्य धर्तों की समर्थन वाली रात ११ बजे से आधिकारिक प्रमाणित करेगा।

छात्रों को सुवह आठ बजे से लेकर रात ११ बजे तक की अवधि में बोर्डेस मरीन पर उपरिक्ति दर्ज करनी होगी। इसके लिए प्रतिविद्वन सात कार्य धर्तों की समर्थन वाली रात ११ बजे से आधिकारिक प्रमाणित करेगा।

छात्रों को सुवह आठ बजे से लेकर रात ११ बजे तक की अवधि में बोर्डेस मरीन पर उपरिक्ति दर्ज करनी होगी। इसके लिए प्रतिविद्वन सात कार्य धर्तों की समर्थन वाली रात ११ बजे से आधिकारिक प्रमाणित करेगा।

छात्रों को सुवह आठ बजे से लेकर रात ११ बजे तक की अवधि में बोर्डेस मरीन पर उपरिक्ति दर्ज करनी होगी। इसके लिए प्रतिविद्वन सात कार्य धर्तों की समर्थन वाली रात ११ बजे से आधिकारिक प्रमाणित करेगा।

छात्रों को सुवह आठ बजे से लेकर रात ११ बजे तक की अवधि में बोर्डेस मरीन पर उपरिक्ति दर्ज करनी होगी। इसके लिए प्रतिविद्वन सात कार्य धर्तों की समर्थन वाली रात ११ बजे से आधिकारिक प्रमाणित करेगा।

छात्रों को सुवह आठ बजे से लेकर रात ११ बजे तक की अवधि में बोर्डेस मरीन पर उपरिक्ति दर्ज करनी होगी। इसके लिए प्रतिविद्वन सात कार्य धर्तों की समर्थन वाली रात ११ बजे से आधिकारिक प्रमाणित करेगा।

छात्रों को सुवह आठ बजे से लेकर रात ११ बजे तक की अवधि में बोर्डेस मरीन पर उपरिक्ति दर्ज करनी होगी। इसके लिए प्रतिविद्वन सात कार्य धर्तों की समर्थन वाली रात ११ बजे से आधिकारिक प्रमाणित करेगा।

छात्रों को सुवह आठ बजे से लेकर रात ११ बजे तक की अवधि में बोर्डेस मरीन पर उपरिक्ति दर्ज करनी होगी। इसके लिए प्रतिविद्वन सात कार्य धर्तों की समर्थन वाली रात ११ बजे से आधिकारिक प्रमाणित करेगा।

छात्रों को सुवह आठ बजे से लेकर रात ११ बजे तक की अवधि में बोर्डेस मरीन पर उपरिक्ति दर्ज करनी होगी। इसके लिए प्रतिविद्वन सात कार्य धर्तों की समर्थन वाली रात ११ बजे से आधिकारिक प्रमाणित करेगा।

छात्रों को सुवह आठ बजे से लेकर रात ११ बजे तक की अवधि में बोर्डेस मरीन पर उपरिक्ति दर्ज करनी होगी। इसके लिए प्रतिविद्वन सात कार्य धर्तों की समर्थन वाली रात ११ बजे से आधिकारिक प्रमाणित करेगा।

छात्रों को सुवह आठ बजे से लेकर रात ११ बजे तक की अवधि में बोर्डेस मरीन पर उपरिक्ति दर्ज करनी होगी। इसके लिए प्रतिविद्वन सात कार्य धर्तों की समर्थन वाली रात ११ बजे से आधिकारिक प्रमाणित करेगा।

छात्रों को सुवह आठ बजे से लेकर रात ११ बजे तक की अवधि में बोर्डेस मरीन पर उपरिक्ति दर्ज करनी होगी। इसके लिए प्रतिविद्वन सात कार्य धर्तों की समर्थन वाली रात ११ बजे से आधिकारिक प्रमाणित करेगा।

छात्रों को सुवह आठ बजे से लेकर रात ११ बजे तक की अवधि में बोर्डेस मरीन पर उपरिक्ति दर्ज करनी होगी। इसके लिए प्रतिविद्वन सात कार्य धर्तों की समर्थन वाली रात ११ बजे से आधिकारिक प्रमाणित करेगा।

छात्रों को सुवह आठ बजे से लेकर रात ११ बजे तक की अवधि में बोर्डेस मरीन पर उपरिक्ति दर्ज करनी होगी। इसके लिए प्रतिविद्वन सात कार्य धर्तों की समर्थन वाली रात ११ बजे से आधिकारिक प्रमाणित करेगा।

छात्रों को सुवह आठ बजे से लेकर रात ११ बजे तक की अवधि में बोर्डेस मरीन पर उपरिक्ति दर्ज करनी होगी। इसके लिए प्रतिविद्वन सात कार्य धर्तों की समर्थन वाली रात ११ बजे से आधिकारिक प्रमाणित करेगा।

छात्रों को सुवह आठ बजे से लेकर रात ११ बजे तक की अवधि में बोर्डेस मरीन पर उपरिक्ति दर्ज करनी होगी। इसके लिए प्रतिविद्वन सात कार्य धर्तों की समर्थन वाली रात ११ बजे से आधिकारिक प्रमाणित करेगा।

छात्रों को सुवह आठ बजे से लेकर रात ११ बजे तक की अवधि में बोर्डेस मरीन पर उपरिक्ति दर्ज करनी होगी। इसके लिए प्रतिविद्वन सात कार्य धर्तों की समर्थन वाली रात ११ बजे से आधिकारिक प्रमाणित करेगा।

छात्रों को सुवह आठ बजे से लेकर रात ११ बजे तक की

ठेकेदार से 50 हजार की रिश्वत लेते हुए जेई गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। मेरठ से आई एंटी क्रप्शन की टीम ने ठेकेदार से 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए जूनियर इंजीनियर को रंग हाथी गिरफ्तार किया। जबकि अधियंता संजय कुमार को छापेमारी की भनक लगाते ही वह फरार हो गए। जानकारी के अनुसार बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के लोक निर्माण विभाग के कार्यालय में मेरठ से आई एंटी क्रप्शन टीम ने ठेकेदार संदीप कुमार से 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए जूनियर इंजीनियर अशोक कुमार को रंग हाथी गिरफ्तार किया है। वहीं अब अधियंता संजय कुमार को छापेमारी की भनक लगाते ही वह फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक ठेकेदार संदीप कुमार ने विभाग में 4.50 लाख का काम किया था, जिसमें से उन्हें 3.36 लाख रुपये का भुगतान मिल चुका था। बकाया भुगतान के लिए अबर अधियंता और जूनियर इंजीनियर ने इसकी रिश्वत मांग रख दी। नियर उनसे रिश्वत मांग रख दी। संदीप ने इसकी रिश्वत मांग रख दी। इसके बाद इंस्पेक्टर योद्धे थामा के नेतृत्व में टीम बाबूगढ़ पहुंची और लोक निर्माण विभाग के कार्यालय पर छापेमारी करते हुए टीम ने ठेकेदार संदीप कुमार से 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए जूनियर इंजीनियर अशोक कुमार को रंग हाथी गिरफ्तार किया है। योगताल है कि लिंग में घटले भी एंटी क्रप्शन टीम द्वारा रिश्वतदारों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है बाबूगढ़ इसकी रिश्वतदारों का सिलसिला जारी है।



भारतीय किसान संगठन ने छिजारसी टोल प्लाजा का किया घेराव

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। मंगलवार को भारतीय किसान संगठन ने पिलखाड़ा के छिजारसी टोल प्लाजा का घेराव किया। संगठन के राष्ट्रीय महासचिव ईश्वर त्यागी को नेटूल्ट में वर्धनीय प्रदर्शनी के लिए विभागीय व्यापारी लोगों के साथ लगातार किया गया।

संगठन ने बताया कि इस संघर्ष में टोल प्रबंधन को कई लोगों और फैलाव के लिए विभागीय व्यापारी लोगों के साथ अभ्रता की शिकायतें लगाए गए हैं। इसी के चलते आज संगठन ने चेतावनी दी है कि अगर विभाग में ऐसी कोई समस्या आती है तो संगठन उग्र अदानेतार करेगा। इस मौके पर ब्रजपाल ठाकुर, तहसील अध्यक्ष अजय ने चेतावनी दी है कि अगर विभाग में ऐसी कोई समस्या दर के लिए टोल को युक्त कर दिया। स्थानीय प्रशासन ने हस्तक्षण करते हुए किसानों को शांत कराया और टोल प्लाजा प्रबंधन के साथ उनकी बातचीत कराई। टोल प्रबंधक, ईश्वर त्यागी के लिए विभागीय व्यापारी लोगों के साथ उनकी बातचीत कराई। टोल प्रबंधक, ईश्वर त्यागी ने किया गया विभागीय व्यापारी लोगों के साथ उनकी बातचीत कराई। आज संगठन ने चेतावनी दी है कि अगर विभाग में ऐसी कोई समस्या आती है तो संगठन उग्र अदानेतार करेगा। इस मौके पर ब्रजपाल ठाकुर, तहसील अध्यक्ष अजय गहरा वौधारी, हेमपूर्ण, हेमपूर्ण, अशोक, राजेश, शन कुमार, मानू पति, शरुख अल्पा, रोनी अंती, आदेश यादव, अनमोल त्यागी, बबल प्रसाद सिंह दंसर, अनुज यादव, प्रशांत ठाकुर, बब्ल त्यागी, मुकेश कुमार, मानू कुमार, पप्पू बहादुरगढ़, शिवम त्यागी, हरेंद्र जाटव, राहुल जाटव समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।



1.5 लाख की चरस के साथ दो गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। नार कोतवाली पुलिस ने एक बड़ी कारोबारी में इंस्ट्रीशिट संदर्भ में सिक्किर और महिला शाश्वत का गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 1.4 किलोग्राम अवैध चरस वस्तुएँ की है। जिसकी कीमत कीरब 1.5 लाख रुपये वराई जारी है।

थाना प्रभारी निरीक्षक

मुरीश प्राप्ति ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि वाले लोग अवैध चरस के लिए जार हो रहे हैं। इसी सूचना के आधार पर, पुलिस टीम ने चित्तीली राड पर चौकारी की। एक संदिग्ध चरस वस्तु को गिरफ्तार करते ही विभागीय व्यापारी ने उनके पास एक बड़ी कीरब 1.5 लाख रुपये वराई जारी है।



उनके पास से चरस के लिए अलावा 5,000 रुपये नकद और घटाना में इस्तेमाल को गई बाइक भी बरामद हुई। अरारी इस चरस के लिए आसापास के क्षेत्रों में बेचते हुए विभागीय व्यापारी को जानकारी दी गयी। पुलिस के सुधारिक चरस वस्तुएँ और चरस के लिए विभागीय व्यापारी को जानकारी दी गयी।

उनके पास से चरस के लिए विभागीय व्यापारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मूल घोषित कर दिया। हालांकि उनकी घटानी मिलती ही कोतवाली पुलिस ने उन्हें पहुंच दी है।

उनके पास से चरस के लिए विभागीय व्यापारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मूल घोषित कर दिया। हालांकि उनकी घटानी मिलती ही कोतवाली पुलिस ने उन्हें पहुंच दी है।

उनके पास से चरस के लिए विभागीय व्यापारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मूल घोषित कर दिया। हालांकि उनकी घटानी मिलती ही कोतवाली पुलिस ने उन्हें पहुंच दी है।

उनके पास से चरस के लिए विभागीय व्यापारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मूल घोषित कर दिया। हालांकि उनकी घटानी मिलती ही कोतवाली पुलिस ने उन्हें पहुंच दी है।

उनके पास से चरस के लिए विभागीय व्यापारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मूल घोषित कर दिया। हालांकि उनकी घटानी मिलती ही कोतवाली पुलिस ने उन्हें पहुंच दी है।

उनके पास से चरस के लिए विभागीय व्यापारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मूल घोषित कर दिया। हालांकि उनकी घटानी मिलती ही कोतवाली पुलिस ने उन्हें पहुंच दी है।

उनके पास से चरस के लिए विभागीय व्यापारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मूल घोषित कर दिया। हालांकि उनकी घटानी मिलती ही कोतवाली पुलिस ने उन्हें पहुंच दी है।

उनके पास से चरस के लिए विभागीय व्यापारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मूल घोषित कर दिया। हालांकि उनकी घटानी मिलती ही कोतवाली पुलिस ने उन्हें पहुंच दी है।

उनके पास से चरस के लिए विभागीय व्यापारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मूल घोषित कर दिया। हालांकि उनकी घटानी मिलती ही कोतवाली पुलिस ने उन्हें पहुंच दी है।

उनके पास से चरस के लिए विभागीय व्यापारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मूल घोषित कर दिया। हालांकि उनकी घटानी मिलती ही कोतवाली पुलिस ने उन्हें पहुंच दी है।

उनके पास से चरस के लिए विभागीय व्यापारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मूल घोषित कर दिया। हालांकि उनकी घटानी मिलती ही कोतवाली पुलिस ने उन्हें पहुंच दी है।

उनके पास से चरस के लिए विभागीय व्यापारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मूल घोषित कर दिया। हालांकि उनकी घटानी मिलती ही कोतवाली पुलिस ने उन्हें पहुंच दी है।

उनके पास से चरस के लिए विभागीय व्यापारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मूल घोषित कर दिया। हालांकि उनकी घटानी मिलती ही कोतवाली पुलिस ने उन्हें पहुंच दी है।

उनके पास से चरस के लिए विभागीय व्यापारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मूल घोषित कर दिया। हालांकि उनकी घटानी मिलती ही कोतवाली पुलिस ने उन्हें पहुंच दी है।

उनके पास से चरस के लिए विभागीय व्यापारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मूल घोषित कर दिया। हालांकि उनकी घटानी मिलती ही कोतवाली पुलिस ने उन्हें पहुंच दी है।

उनके पास से चरस के लिए विभागीय व्यापारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मूल घोषित कर दिया। हालांकि उनकी घटानी मिलती ही कोतवाली पुलिस ने उन्हें पहुंच दी है।

उनके पास से चरस के लिए विभागीय व्यापारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मूल घोषित कर दिया। हालांकि उनकी घटानी मिलती ही कोतवाली पुलिस ने उन्हें पहुंच दी है।

उनके पास से चरस के लिए विभागीय व्यापारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मूल घोषित कर दिया। हालांकि उनकी घटानी मिलती ही कोतवाली पुलिस ने उन्हें पहुंच दी है।

उनके पास से चरस के लिए विभागीय व्यापारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मूल घोषित कर दिया। हालांकि उनकी घटानी मिलती ही कोतवाली पुलिस ने उन्हें पहुंच दी है।

उनके पास से चरस के लिए विभागीय व्यापारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मूल घोषित कर दिया। हालांकि उनकी घटानी मिलती ही कोतवाली पुलिस ने उन्हें पहुंच दी है।

उनके पास से

